

Answer Sheet

8 Page

EXAMINATION BOOK

नाम Name _____

रोल नं. Roll No _____ दिनांक Date _____

कक्षा Class _____ प्राप्तांक Marks Obtained _____

विषय Subject _____ पूर्णांक Total Marks _____

ह. निरीक्षक Sign. of Supervisor

ह. परीक्षक Sign. of Examiner

Start Writing From Here: लिखना यहाँ से प्रारम्भ करें।

प्र०.१

(१) निरक्षुशावाद से क्या तत्पर है।

एक ऐसी सरकार या शासन व्यवस्था जिसका सभा पर किसी प्रकार का कोई अकुश्य नहीं होता है। ऐसी सरकार जनता के अनुश्वल कार्य नहीं करती है। ये अत्यंत कृतीकृत सेव बेल पर आधारित और दमकारी सरकार होती है।

प्र०.२

जनसत् लंगत् क्या है।

जनसत् लंगत् एक प्रत्यक्ष भवित्वा है। जिसके जारी एक

एक द्वेष के सभी लोगों से प्रस्ताव को स्वीकर या
अस्वीकर करने के लिए पुष्टा जाता है।

प्र० ८.३

उदारवाद क्या है?

उदारवाद ^{पुर्ण} liberalism शब्द का ^{कृपया नपातरण है।} liberalism
शब्द लौटना, आपो के ^{liber} पर आधारित है। जिसका
अर्थ है - स्वतंत्रता / नह मध्य वर्गों के लिए उदारवाद
का भलब था - व्यक्ति के लिए आजादी और कानून
के समक्ष सबकी बराबरी।

प्र० ८.४

न्युजारीय शब्द का अर्थ बताइए।

एक सामान नरली जनजातीय या सुरक्षित उद्गम अर्थवा
पुर्ण शुभि जिसे कोई समुदाय अपनी पहचान मानता है।

प्र० ८.५

नारीवाद क्या या?

स्त्री-पुरुष को सामाजिक ; ऊर्ध्विक एवं राजनीतिक समानता की
सीधे के आधार पर महिला और के अधिकारी और हितो
का बोध नारीवाद है।

प्र० ५.६

रॉलेट ईक्ट क्या थार?

रॉलेट ईक्ट 1919ई० मे परित एक ऐसा कानून था जिसमे शारतीयों पर किसी तरह के मुकदमे को चलाया जिनको आदार पर विरक्तार कर दी साल तक जेल मे बंद किया जा सकता है।

प्र० ५.७

गाँधी जी ने असहयोग झान्डोलन को ठी क्यों चुना?

महात्मा गाँधी ने अपनी पुस्तक 'ठिन्ड स्तराय' (1909) मे कहया कि भारत मे ब्रिटिश शासन शारतीयों के सहयोग से ठी रखा पाए दुआ था। और यह शासन इसी सहयोग के कारण चल पा रहा है। अब भारत के लोग अपना सहयोग वापस ले लें तो साल भर के शीतर ब्रिटिश शासन छह जाएगा और रखरान की रख्यना हो जाएगी।

प्र० ५.८

असहयोग झान्डोलन कब और क्यों वापस लिया गया?

असहयोग झान्डोलन 1922ई० मे चौरी-चौर की घटना के कारण वापस लिया गया।

प्र० न० ७

भूमंडलीकरण या वैरचन से वया तात्परी है?

एक देश की अर्थव्यवस्था को दूसरा देश की अर्थव्यवस्था से तथा स्वपुर्ण विश्व के विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्था का एक-दूसरा से विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से पुँजा होना ही भूमंडलीय या वैरचनाया कहलाता है।

प्र० न० ८

जब हम कहते हैं कि सौलहवी साल में दुनिया 'सिक्कें' लगी थी तो इसका क्या मतलब है? यहाँ दुनिया के 'सिक्कें' का मतलब है - विश्व के विभिन्न भूद्वारों के व्यवितयों के मध्य पाराद्यपरिक संबंधों में हृष्टि।

प्र० न० ९

भारत में कौन-2 स्त्री चुनाए गयी हैं?

भारत में जलोढ़ मृदा, काली मृदा, लालू व पीली मृदा लैटदार्ट मृदा, मकुरस्थली मृदा वन मृदा पाई जाती हैं।

प्र० न० १०

चादर उपरदन किसे कहते हैं?

कई बार जल विघ्नक हैं को ढके हुए ठाल के साथ नीचे की ओर बहता है। ऐसी हियति में इस हैंत

जैसे की ऊपरी स्तरों में गुल कर भल के साथ हो जाती हैं। उसे पार अवश्य कहते हैं।

Start Writing From Here: लिखना यहाँ से प्रारम्भ करें।

प्र० नं. 13

-उगड़ी बाति है।

तीन राज्यों के नाम बताए जब काली मृदा पर्यायी जाती है इस पर मुख्य रूप से कलत का -
काली मृदा का रंग काला होता है। इसे रेगर मृदा
भी कहते हैं। यह लावाखनक रौली से बनती है। यह
मृदा मठाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, भद्र्य प्रदेश और दक्षिणगढ़
के पठार एवं पाई जाती है। काली मृदा कपास की
खींची के लिए उचित समझी जाती है। इसे काली
कपास मृदा के नाम से जाना जाता है।

प्र० १५

जैव संसाधन और अजैव संसाधन क्या हैं? उदाहरण दीजिए।
जैव संसाधन - वे संसाधन जिनको प्राप्ति जीवमुड़त से होती है और प्रियों से जीवन व्याप्त होती है।
 जैव संसाधन कहलाते हैं जैसे - मनुष्य, वनस्पति, जगत्, प्राणी जगत्, पशुधन तथा भूत्य जीवन आदि।

अजैव संसाधन - वे सारे संसाधन जो नीरीवि कुछुल्लों से बने हैं। अजैव संसाधन कहलाते हैं।
 जैसे - चट्ठानों और धारुण।

प्र० १५

संकटग्रस्त जातियों से क्या आभिप्राय है?
 संकटग्रस्त जातियों से आभिप्राय उन जातियों से है।
 जिनके विलुप्त होने रवरा हैं। उदाहरणार्थी - काला हिंडा, भारतीय मण्डली गधा तथा सगाई हिंडा (भणिपुर) इत्यादि।

प्र० १६

ठकसोल क्या है?

ठकसोल हिमालयन यव नामक औषुद्धीय पौधे की दाढ़ी तहनियों तथा जड़ों से संशोधित होने वाला रसायानिक पदार्थ है। यह केसर उपचार में सहायक है।

वार्षिक नियमित जल विभाग द्वारा नवीनकरण योग्य संसाधन हैं।

जल एक जनसमुदाय योग्य संसाधन है। क्योंकि जल के बारे प्रयोग करने पर समाप्त नहीं होती है। हम इसका बार-बार प्रयोग कर सकते हैं। अयोग्य इसकी पुनः पुनः संभाव है जैसे - जल का प्रयोग यदि उद्योग में या घरेलू क्रामकाल में किया जाता है तो इससे जल इसी प्रकार जी जाता है। किंतु साम्यान्तर समाप्त नहीं होता। इस जल को साफ करके फिर से इस्तेमाल करने योग्य कराया जाता है।

प्र. १८

इस प्रेम फलस्थ का नम वर्तमान उद्देश्य उगाने के अनुकूल मौंगोलिक परीक्षित विधि चाय एक महत्वपूर्ण पेय पदार्थ की फलस्थ है। चाय का पौधा ठाणा और उपोष्ण कटिकंबीय जलवायु, ग्रन्ति और जीवाश युक्त गहरी मिट्ठी तथा सुगम जल नियमित वाले ढलवाँ होती है। उगाया जाता है। चाय की खेती के लिए वर्ष भर कोणा, नम और पानारहित जलवायु की आवश्यकता होती है। वर्ष भर समान रूप से होने वाली वर्षी इसकी कीमत परियों के विकास में सहायक होती है। भारत विश्व का अमृती चाय उत्पादक प्रदेश है।

प्र० न० १९

भारत की एक रवाई पर्सनल का नाम बताएं और जहाँ पैदा होती तेज़ का निवारण दीखिए।
 गैंडा शर्करा की प्रमुख रवाई पर्सनल है। यह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिम भाग में पैदा की जाती है। देश में गैंडा उगाने वाले दो मुख्य दोस्त हैं उत्तर-पश्चिम में गंगा-सतलुज का नदीनाम और दक्षिण का काली मिथि वाला प्रौद्योगिकी, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश के कुष्ठभाग गैंडा पैदा करने वाले प्रमुख राज्य हैं।

प्र० न० २०

रवनिज क्या है?

रवनिज उन प्राकृतिक साधनों को कहते हैं जो हीले से पापु हुए शुरू कराने के अनुसार रवनिज के प्राकृतिक कृप से विद्यमान हुए शुरू कराने के अनुसार स्वनिज एक समरूप है। इसकी एक निश्चित आतंक सरन्यना है। रवनिज प्रकृति में अनेक कारण से पाए जाते हैं। जिसमें कठोर, ठोस एवं नरम शुर्ना तक शामिल हैं।

Start Writing From Here: लिखना यहाँ से प्रारम्भ करें।

प्र० नं. 21

धात्विक रवनिष्ठ किसे कहते हैं ऐसे दो खनिजों के नाम लिखिए -
जिन रवनिजों से धातु प्राप्त होती हैं पिनमें अच्छा होती है
तथा जिनकी कुट-फिटकर चादरों के कप में ढाला जाता
है। और तारी के कप में रवीचा भा रखता है।
धात्विक रवनिष्ठ कहलाते हैं। जैसे - लीठा, सीना आदि।

प्र० नं. 22

कोडमा किस राष्ट्र में स्थित है यह किस रवनिष्ठ ले सम्बांधित है।
कोडमा इन्डियन राष्ट्र में स्थित है। यह अच्छा से
सम्बन्धित है।

प्र० २३

अभी के प्राच्यरागत स्त्रीत किस कहत है कि वे दो ज्ञातों के नाम खनिजतें दर्पकों
अभी के वे स्त्रीत जिनका उपयोग प्राचीनकाल से
किया जा रहा है) अभी के प्राच्यरागत स्त्रीत कहलाते
हैं इन स्त्रीतों में लकड़ी, उपले, कोयला, पेट्रोलियम
प्राकृतिक गैस तथा विद्युत आदि सम्मिलित हैं)
भारत में मुमुक्षु छाव, गुजरात, और असम प्रमुख
खनिज तेल हैं।

प्र० २४

जन संचार के साधन कान-कौन से हैं।

जनसंचार के साधनों में रेडियो, इंटरनेट, ड्रॉफ्टर,
इंटरनेट, चलाऊश, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, टेलीफोन
मोबाइल, आदि प्रमुख हैं।

प्र० २५

भारत द्वारा नियंत्रित की जाने वाली वस्तुओं के नाम लिखिए।

भारत द्वारा नियंत्रित की जाने वाली वस्तुओं में
पेट्रोलियम भूत के सामान, चाय, मांगभीष, लोह
तंबाकू, रुल व पवाहरात, रुतायन व संबंधित उत्पाद
साप्तर क्यर आदि प्रमुख हैं।

प्र० २६

स्थनीक या जातिय से क्या तत्व हैं।

इसा सामाजिक विभाजन जिसमें हर समूह अपनी -अपनी संरक्षित को अलग मानता है। यानी यह साक्षी संरक्षित पर जाधारित है। सामाजिक विभाजन है।

प्र० २७

सत्ता की साक्षीकारी से क्या तत्व हैं।

किसी देश मे शासन कुन की शक्ति का समाज के अलग-अलग समूदयों, को या लोगों मे बहु-वारा सत्ता की साक्षीकारी कहलाता है।

प्र० २८

बँधु सरकार से आप क्या ज्ञान मानते हैं।

बँधु सरकार एवं सरकार भी जनता वारा चुनी जाती है। बँधु सरकार कहलाती है।

प्र० २९

गृहयुद्ध से क्या तत्व है।

जिस पैश मे सरकार-विरोधी समूहों की हिंसक लड़ाई भौं ऐसा रूप ले कि वह युद्ध सा लग तो उसे गृहयुद्ध कहा जाता है।

प्र०-३०

समकालीन सुची क्या है

विषयों की वह सुची प्रेस पर कानून बनाने का अधिकार राज्य और केन्द्र सरकार दोनों का होता है। लैकिन जब दोनों के कानून में लकराव होते हैं तो केन्द्र सरकार को बनाया गया कानून ही साय होता है। इस सुची में शिक्षा, वन मन्त्रालय, संधि, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे विषय शामिल हैं।

प्र०-३१

अधिकारिय सुची क्या है

विषयों की वह सुची पड़ केन्द्र सरकार कानून बनाती है। इसमें वे विषय रखे गए हैं जो तीनों संघियों में शामिल नहीं हो पाए थे।

प्र०-३२

संघीय शाखा व्यवस्था क्या तत्त्व है

वह शाखा व्यवस्था जिसमें एक ही समय में दो आधिक सरकारें कानून करतीं, संघीय व्यवस्था कहलाती है।

प्र० नं ३३

नरल भेद से क्या ताल्पर्य हो।
किसी देश या समाज में नरल के आधार पर कुछ लोगों को नीचा या हीन समझना नरल भेद कहलाता है।

प्र० नं ३४

नागरिक अधिकार अन्वेषन किए दिए से शुरू किया जाता या/
संसुक्त राज्य अमेरिका से।

प्र० नं. ३५

लोकतंत्र के लिए जातिवाद धारक हैं इनके दों कारण बताएँ।

- जातिवाद ने देश के विभिन्न जातीय समुद्देश में अपसों संघर्ष और टकराव संप्रदायों को छीन समझ दिया है। जोकि राष्ट्रीय एकता के लिए एक बड़ा खंड है।
- जातिवाद के आधार पर आरक्षण की राजनीति ने भी आरतीय लोकतंत्र को छुट्टी तरह से प्रश्नावित किया है।

प्र० नं. ३६

यह सत्राकड़, दल धर्म को शासक तथा आधार मानता है उससे इन्होंनी तकि

- साप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा मिलेगा।

- बहुसंख्यकवाद तथा अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा मिलेगा।

प्र० नं. ३७

असम गण परिषद् क्या है?

विदेशी लोगों के किन्हें दास्तौ का असम आंदोलन असमगण परिषद् में परिवर्तित हो गया।

प्र० नं. ३८

भृत के पड़ोसी देशों के नाम बताएँ।

श्रीलंका और नेपाल।

प्र० नं. ३७

सामान्य नागरिक सत्ता में किस प्रकार की आगीदारी करता है।
सामान्य नागरिक विवेक पुर्ण निर्णय लेकर मतदान
कर सत्ता में जागरूक आगीदारी कर सकते हैं।

प्र० नं. ३८

लोकतंत्र का अर्थ क्या है?

एक ऐसी शासन-व्यवस्था जिसमें जनता अपने प्रतिनिधि
हियों का चुनाव करती है। ये प्रतिनिधि जनता के
हितों को व्यान में दखलकर कानून बनाते हैं तथा
जनता की इच्छा तक अपने पद पर रहते हैं।

प्र० नं. ३९

आर्थिक समाजता का अर्थ क्या है?

किसी भी देश में होने वाली अर्थ का वितरण इस
प्रकार हो जिससे सभी को उसका बोनार लाभ
मिले और सभी लोग बेटर जीवन गुप्तर सके। इस
दियति को आर्थिक समाजता कहते हैं।

प्र० नं. ४०

लोकतंत्र की सबसे बड़ी वित्त क्या होती है?

लोकतंत्र में सबसे बड़ी वित्त यह होती है कि लोगों
को आपना राजक चुनने का अधिकार होता है।

प्र० न० ४३

धर्मनिरपेक्षता से क्या तात्पर्य है।

राज्य को अपना कोई धर्म न ले तथा राज्य में रहने वाले व्यक्ति स्वेच्छा से कोई धर्म अपना सके तथा राज्य धर्म के आघार पर नागरिकों में शैदुआव न करे तो वह स्थिति धर्म-निरपेक्ष कहलाती है।

प्र० न० ४४

लोकतांत्रिक व्यवस्था क्या है।

यह एक ऐसी व्यवस्था है। जिसके केन्द्र में लोग ही अचाहे लोगों की ओर बुनाई सरकार, जो लोगों के लिए काम करेगी तथा लोगों की इच्छा तक ही कभी रहेगी।

प्र० न० ४५

एक अच्छे लोकतंत्र को किस सरकार ने भारत में लकड़ा है? जनता शासक को चुने और शासक जनता की आवाजाओं और आकांक्षाओं के अनुकूल काम करे।

प्र० न० ४६

उत्तरप्रदेश सरकार ने एक सरकार का उपरांत क्या पाया?

उत्तरप्रदेश सरकार ने एक सरकार को दिया और पाया कि गृहमीठ प्रायस्त्रिक रूपाल्प केन्द्री पर पड़ता

अधिकतर डॉक्टर अनुपलियत ये) वे शहरी में रहते हैं
जिने प्रवित्स करते हैं। और महीने में सिर्फ़ एक या
दो दिन अपनी नियुक्त वाली बगाह पर छुट्टे हैं।
जाना चाहिए कि सायरण राष्ट्रों के इलाज के लिए २१८

प्र० न० ४७

तुंगातियों के अर्थ बताइए—

चुनौतियों का अर्थ है— लोकतंत्र के मार्ग पर या में
ज्ञाने वाली वे बाधाएँ जिन्हें दूर किए बिना लोकतंत्र का
विकास संभव नहीं है।

प्र० न० ४८

केरल में अन्य राज्यों की तुलना में शिशु-मूल्य दर कम क्यों हैं।
केरल में अन्य राज्यों की तुलना में शिशु-मूल्य दर कम
होने के दो मुख्य कारण मूलतः हैं।

- (i) कैरल की साक्षरता दर अन्य राज्यों की तुलना में आधिक है
(ii) कैरल में निवल उपलब्धियां अनुपात अन्य राज्यों की तुलना में ऊच्च हैं।

प्र० नं. ४९

प्रतिवक्ति आप से क्या तथ्य है।

किली देरा की कुल आप को कुल जनसंख्या से अंग देने पर प्राप्त आय को और आप कहते हैं। इसे प्रतिवक्ति आय भी कहते हैं।

प्र० नं. ५०

हरीय देशक से क्या तथ्य है।

इसके अंतर्गत क्रियाएं किली बद्ध का उत्पादन नहीं करती बाल्कि सेवाओं का उत्पादन करती हैं ये क्रियाएं नायासुक और छिपाएँ होने के विकास में नदद करती हैं - बकाव, डॉक्टर, शिक्षक, परिवहन सेवाएं आदि सेवाएँ प्रमुख हैं।

प्र० नं. ५१

मालवी बौद्धगारी का दृष्टि

मालवी बौद्धगारी का दृष्टि है मिलने लागत को द्वारा कुल नहीं मिलता। साल के कुछ नवीनी भी ये लागत की बाधा रहते हैं।

प्र० न० ५२

रोजगार के संगठित सेवा की परिस्थिति की जिए।

संगठित सेवा (क्षेत्रिक) से तात्पर्य उन अधमों अथवा कार्यस्थानों पर पड़ी रोजगार की अवाधि नियमित होती है ये क्षेत्र सरकार बाहर पर्याप्ति की है और उन्हे सरकारी नियमों द्वारा विनियमों का अनुपालन करता है।

प्र० न० ५३

अधिव्यवस्था के अलगावित क्षेत्र में श्रमिकों की किंचित् तीन समस्याएँ क्या हैं?

- (i) श्रमिकों को कुम वैतन मिलने का और प्राप्त यह नियमित नहीं होता है।
- (ii) श्रमिकों का रोजगार आनिश्चित होता है।
- (iii) श्रमिकों को स्वतन्त्र हुदहि तथा बिमारी के कारण हुदहि नहीं मिलती है।

प्र० न० ५४

वैश्वीकरण से क्या तात्पर्य है।

आधिक विदेश, व्यापार और आधिक विदेशी निवेश के कारण विभिन्न देशों के बाजारों द्वारा एवं उत्पादनों में एकीकरण हो रहा है। विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रतिक्रिया ही वैश्वीकरण है।

प्र० न् ० ५५

विदेशी निवेश से क्या ताल्य हैं

बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा विभिन्न पद्धतियों पर किए गए निवेश की विदेशी निवेश कहते हैं।

प्र० न् ० ५६

उपश्रीकरण अपनी एक जुला का प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं (उपश्रीकरण अपनी एक जुला का प्रदर्शन उपश्रीकरण द्वारा बनाकर उपश्रीकरण आंदोलनों के द्वारा तथा उपश्रीकरण सुरक्षा परिषदों की बनाकर कर सकते हैं)

प्र० न् ० ५७

कोपरा कानून क्या हैं,

सन् १९४६ में भारत सरकार द्वारा एक बड़ा कदम उठाया गया यह उपश्रीकरण सुरक्षा आधिकारियम्, १९४६ का नाम बनाया गया जो कोपरा के नाम से प्रसिद्ध है।

प्र० न् ० ५८

उपश्रीकरण किसे कहते हैं
ऐसे व्यक्ति जो अपनी आवश्यकताओं को दूखी हैं और उनका उपश्रीकरण करते हैं उन्हें उपश्रीकरण कहते हैं।